**भारत सरकार**
**पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय**
**भारत मौसम विज्ञान विभाग**

**प्रेस विज्ञप्ति**
**तारीखः 17 दिसंबर, 2025**
**जारी करने का समय: 1300 घंटे**

**विषय: (i)18 से 22 दिसंबर के दौरान उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा के कुछ स्थानों पर और 18 से 21 दिसंबर के दौरान उत्तराखंड के कुछ अलग-अलग इलाकों में सुबह/भोर के समय घने से बहुत घने कोहरे की स्थिति बनी रहने की बहुत संभावना है, साथ ही 18 से 22 दिसंबर के दौरान पूर्वोत्तर भारत में और 18 से 20 दिसंबर के दौरान हिमाचल प्रदेश, ओडिशा, बिहार और झारखंड में भी अलग-अलग स्थानों पर घने कोहरे की स्थिति बनी रहेगी।**

**(ii) 18 और 19 दिसंबर को पश्चिमी मध्य प्रदेश और उत्तराखंड में शीत लहर चलने की प्रबल संभावना है।**

**अतीत 24 घंटों (15 दिसंबर, 0830 भा.मा.स. तक) के दौरान वास्तविक मौसम:**

- पूर्वी उत्तर प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा (दृश्यता <50 मीटर) छाया रहा; मेघालय, हिमाचल प्रदेश, ओडिशा और हरियाणा के कुछ इलाकों में घना कोहरा (दृश्यता 50-199 मीटर) दर्ज किया गया।
- दृश्यता (≤200 मीटर) दर्ज की गई: उत्तराखंड: पंतनगर (20 मीटर) और खटीमा (50 मीटर); पश्चिमी उत्तर प्रदेश: बरेली (आयरलैंड वायु सेना) - 00 मीटर, बरेली - 30 मीटर, शाहजहांपुर - 40 मीटर, अम्स मुरादाबाद - 50 मीटर; पूर्वी उत्तर प्रदेश: लखनऊ (हवाई अड्डा), गोरखपुर (आयरलैंड वायु सेना), अम्स कुशीनगर और कानपुर (आयरलैंड वायु सेना) - 00 मीटर प्रत्येक, बहराइच - 20 मीटर, फतेहगढ़, कानपुर (शहर), हरदोई - 30 मीटर, बलिया - 40 मीटर, फुरसतगंज - 50 मीटर, गोरखपुर - 150 मीटर; मेघालय: बारापानी - 50 मीटर। ओडिशा: राउरकेला-50 मीटर; हिमाचल प्रदेश: बिलासपुर-50 मीटर; पंजाब: फरीदकोट-20 मीटर, बठिंडा अम्फू-40 मीटर, अमृतसर-00 मीटर; हरियाणा, चंडीगढ़: चंडीगढ़-150 मीटर, हिसार-80 मीटर
- पश्चिमी मध्य प्रदेश के कुछ स्थानों पर शीत लहर की स्थिति देखी गई।

**मौसमी प्रणालियाँ, पूर्वानुमान एवं चेतावनियाँ (परिशिष्ट I एवं II देखें):**

- उत्तरी भारत में समुद्र तल से 12.6 किमी ऊपर लगभग 100 समुद्री मील की रफ्तार वाली उपोष्णकटिबंधीय पश्चिमी जेट स्ट्रीम चल रही है।
- 19 दिसंबर 2025 की रात से पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के आने की संभावना है।

**इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम संभावित है:**

- 18 से 23 दिसंबर के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद में कुछ/कई स्थानों पर हल्की बारिश/बर्फबारी की संभावना है और 20 और 21 दिसंबर को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में कुछ/अलग-अलग स्थानों पर बारिश/बर्फबारी हो सकती है।
- 20 और 21 दिसंबर को पंजाब में अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश की संभावना है।

- 17 दिसंबर को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, केरल और माहे, लक्षद्वीप में अलग-अलग स्थानों पर गरज और बिजली गिरने की प्रबल संभावना है; साथ ही 17 दिसंबर को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में अलग-अलग स्थानों पर 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की प्रबल संभावना है।

**आज, 16 दिसंबर, 0830 भा.मा.स. तक के पिछले 24 घंटों के दौरान तापमान दशाएँ:**

❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद में कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा; हिमाचल प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा; उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पूर्वी राजस्थान, पूर्वी मध्य प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा; मध्य महाराष्ट्र और विदर्भ में कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा; पश्चिमी राजस्थान, असम और मेघालय, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। भारत के मैदानी इलाकों में सबसे कम न्यूनतम तापमान नागौर (पश्चिमी राजस्थान) में 3.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश के कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी नीचे (≤-5.1°C) रहा; ओडिशा, पूर्वी मध्य प्रदेश, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और तमिलनाडु के कुछ स्थानों पर तापमान सामान्य से काफी नीचे (-5.0°C से -3.1°C) रहा; विदर्भ, तेलंगाना और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक के कई स्थानों पर तापमान सामान्य से नीचे (-1.6°C से -3.0°C) रहा; पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, पूर्वी राजस्थान और गुजरात राज्य के कुछ स्थानों पर भी न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे रहा। (परिशिष्ट IV देखें)

❖ पिछले 24 घंटों में पूर्वी उत्तर प्रदेश, ओडिशा और तेलंगाना के कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान में 1-2°C की वृद्धि देखी गई; दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत के कुछ स्थानों पर 3-5°C की वृद्धि हुई; राजस्थान के कुछ हिस्सों में 1-2°C की गिरावट देखी गई। पूर्वी मध्य प्रदेश, सौराष्ट्र और कच्छ, पंजाब और लक्षद्वीप में अलग-अलग स्थानों पर।

**न्यूनतम तापमान का पूर्वानुमान:**

- अगले दो दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है, उसके बाद अगले दो दिनों में तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि होगी और उसके बाद कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- अगले तीन दिनों के दौरान महाराष्ट्र में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और उसके बाद अगले चार दिनों में तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि होगी।
- अगले तीन दिनों के दौरान गुजरात में न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है और उसके बाद कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- अगले सात दिनों के दौरान देश के शेष हिस्सों में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा।

**सघन कोहरा एवं शीत लहर चेतावनियाँ:**

- 18 से 20 दिसंबर के दौरान उत्तर प्रदेश में और 21 दिसंबर को कुछ स्थानों पर सुबह के समय घना से अत्यंत घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।
- 18 से 20 दिसंबर के दौरान पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ के कुछ स्थानों पर, 21 और 22 दिसंबर को इन्हीं क्षेत्रों के कुछ स्थानों पर और उत्तराखंड के कुछ स्थानों पर सुबह के समय घना से अत्यंत घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।
- 18 से 22 दिसंबर के दौरान उत्तर-पूर्वी भारत के कुछ स्थानों पर, हिमाचल प्रदेश, बिहार और झारखंड में और 18 और 19 दिसंबर को ओडिशा में सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।
- 18 और 19 दिसंबर को पश्चिमी मध्य प्रदेश और उत्तराखंड के छिटपुट स्थानों पर शीत लहर चलने की प्रबल संभावना है।
- 18 और 19 दिसंबर को उत्तर प्रदेश के कुछ अलग-थलग स्थानों पर ठंड पड़ने की बहुत अधिक संभावना है।

**मछुआरों के लिए चेतावनी:**

मछुआरों को 17 दिसंबर से 22 दिसंबर के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाने की सलाह दी जाती है:

- बंगाल की खाड़ी: मन्नार की खाड़ी और उससे सटे कोमोरिन क्षेत्र में 17 से 20 दिसंबर के दौरान मछली पकड़ने न जाएं।

**ii) दिल्ली/एनसीआर में 16-19 दिसंबर 2025 तक मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (परिशिष्ट III)**

**अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:**

**https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php**

**जिला-वार चेतावनियों के लिए: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php**

**मछुआरों की चेतावनी के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php**

**महत्वपूर्ण बारिश दर्ज की गई (सेमी में) (कल सुबह 0830 बजे से आज सुबह 0830 बजे तक):**

- **तमिलनाडु:** कोथावाचेरी (जिला कुड्डालोर), रामनाडु केवीके एडब्ल्यूएस (जिला रामनाथपुरम) 6 प्रत्येक, कोल्लीदम (जिला मयिलादुथुराई), पारंगीपेट्टई (जिला कुड्डालोर), लालपेट (जिला कुड्डालोर), अन्नामलाई नगर (जिला कुड्डालोर), चिदंबरम एडब्ल्यूएस (जिला कुड्डालोर) 5 प्रत्येक, वडाकुथु (जिला कुड्डालोर), के.एम.कोइल (जिला) कुड्डालोर), जेड 15 उथंडी (डब्ल्यू 200) (जिला चेन्नई) 4 प्रत्येक।
- **केरल**: कोविलकादावु (जिला इडुक्की) 1, मायलादुमपारा (जिला इडुक्की) 1, वन्नमदा (जिला पलक्कड़) 1, पंपदुमपारा (जिला इडुक्की) 1, कोल्लमकोड (जिला पलक्कड़) 1, कोल्लेंगोडे (जिला पलक्कड़) 1, पीरमाडे (जिला इडुक्की) 1।

अनुलग्नक ।

| Table-1 | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 Days Rainfall Forecast | | | | | | | | |
| S.No. | Subdivision | 17- Dec | 18- Dec | 19- Dec | 20- Dec | 21- Dec | 22- Dec | 23- Dec |
| | | Day 1 | Day 2 | Day 3 | Day 4 | Day 5 | Day 6 | Day 7 |
| 1 | ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS | ISOL | ISOL | ISOL | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 2 | ARUNACHAL PRADESH | ISOL | ISOL | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 3 | ASSAM & MEHGHALAYA | ISOL | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 4 | NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 5 | SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 6 | GANGETIC WEST BENGAL | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 7 | ODISHA | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 8 | JHARKHAND | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 9 | BIHAR | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 10 | EAST UTTAR PRADESH | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 11 | WEST UTTAR PRADESH | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 12 | UTTARAKHAND | DRY | DRY | DRY | ISOL | ISOL | DRY | DRY |
| 13 | HARYANA, CHANDIGARH & DELHI | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 14 | PUNJAB | DRY | DRY | DRY | ISOL | ISOL | DRY | DRY |
| 15 | HIMACHAL PRADESH | DRY | DRY | DRY | SCT | SCT | DRY | DRY |
| 16 | JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH | DRY | ISOL | ISOL | FWS | FWS | SCT | ISOL |
| 17 | WEST RAJASTHAN | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 18 | EAST RAJASTHAN | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 19 | WEST MADHYA PRADESH | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 20 | EAST MADHYA PRADESH | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 21 | GUJRAT REGION | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 22 | SAURASHTRA & KUTCH | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 23 | KONKAN & GOA | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 24 | MADHYA MAHARASHTRA | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 25 | MARATHWADA | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 26 | VIDARBHA | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 27 | CHHATTISGARH | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 28 | COASTAL ANDHRA PRADESH | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 29 | TELANGANA | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 30 | RAYALASEEMA | ISOL | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 31 | TAMILNADU & PUDUCHERRY | ISOL | ISOL | DRY | DRY | DRY | DRY | ISOL |
| 32 | COSTAL KARNATAKA | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 33 | NORTH INTERIOR KARNATAKA | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 34 | SOUTH INTERIOR KARNATAKA | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 35 | KERALA AND MAHE | ISOL | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 36 | LAKSHADWEEP | SCT | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

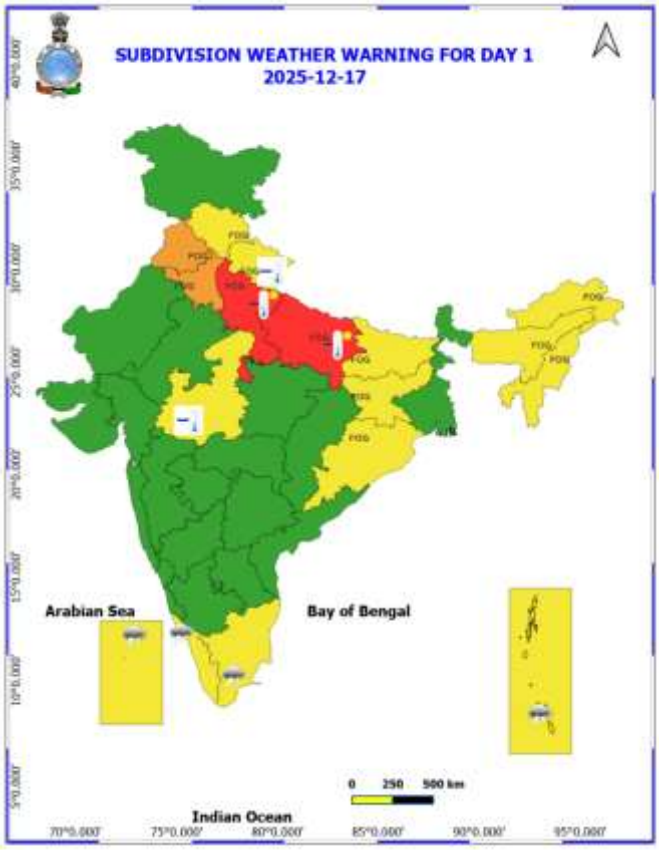
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-12-17
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

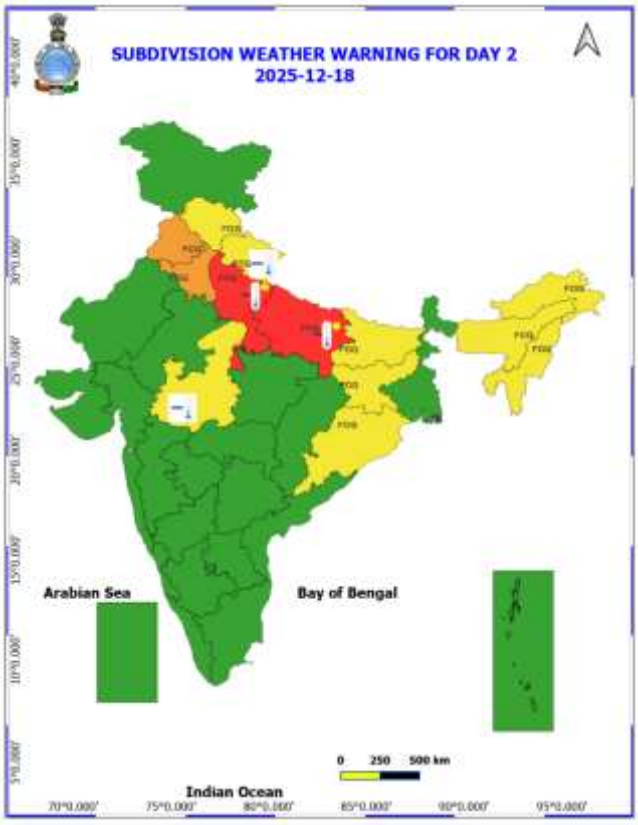
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-12-18
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

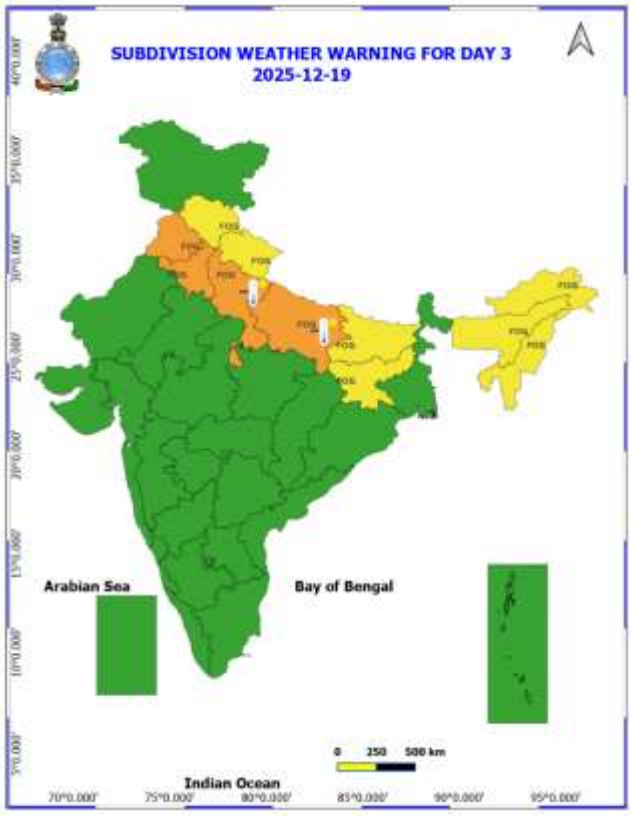
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-12-19
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

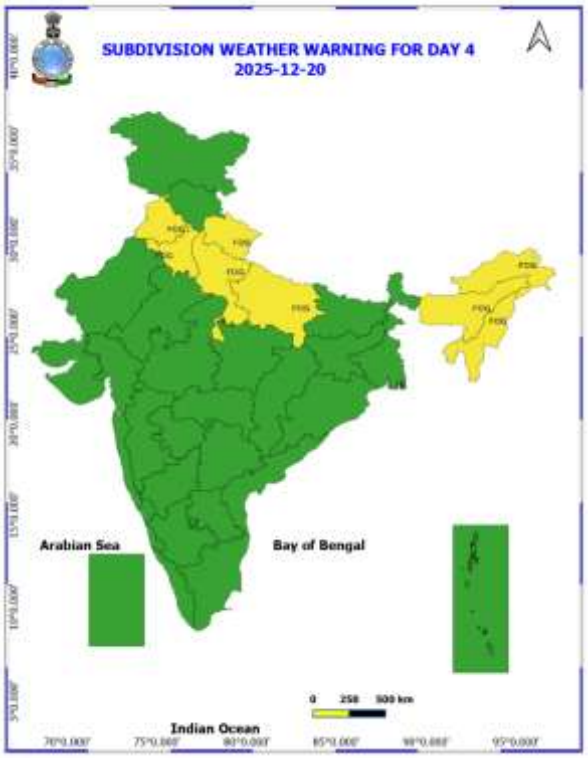


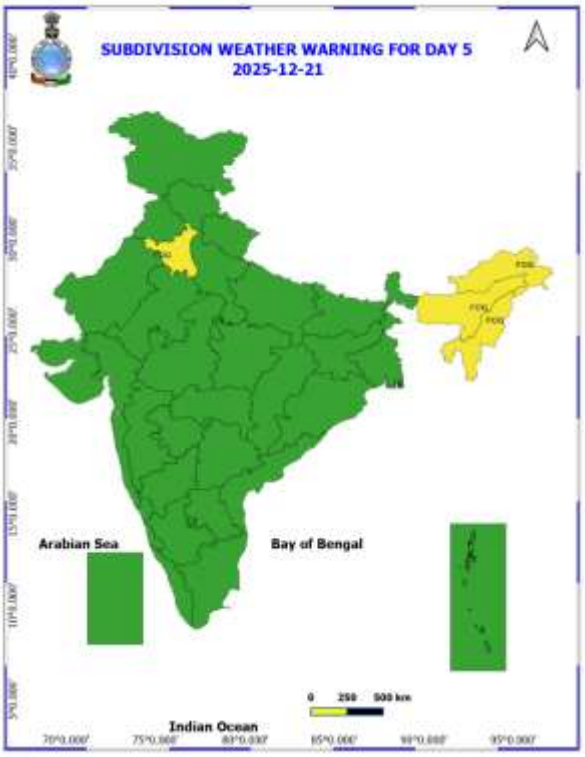


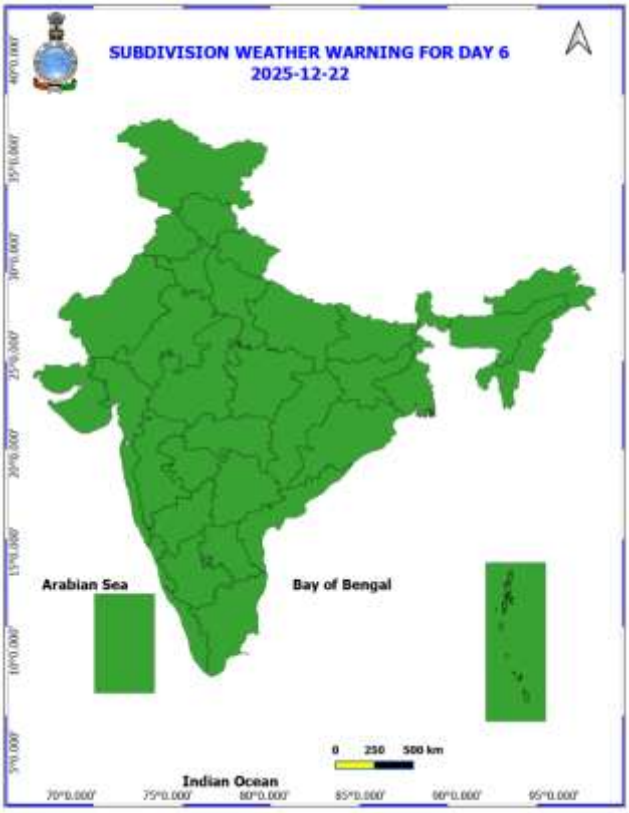


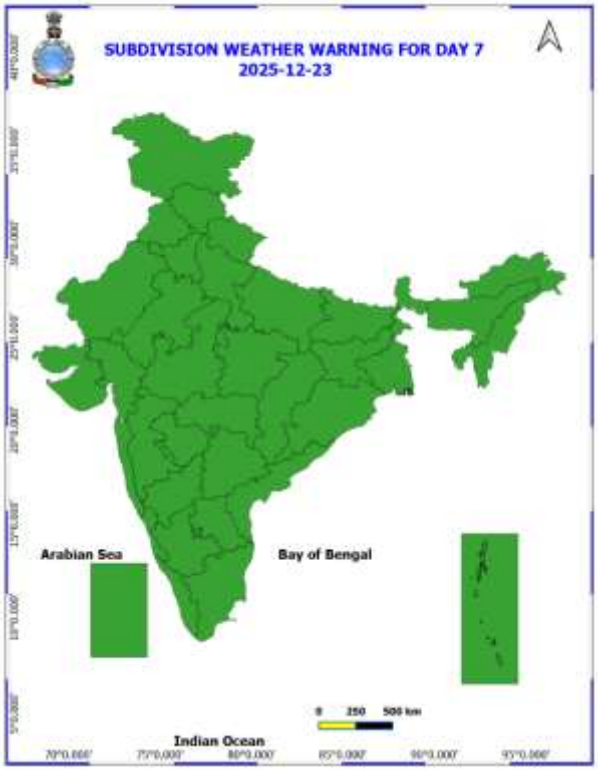


- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

**अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है**

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

**अनुलग्नक III**

## 17 से 20 दिसंबर 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम का पूर्वानुमान

### पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली के न्यूनतम और अधिकतम तापमान में 1-2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 22 से 25 डिग्री सेल्सियस और 9 से 10 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5 से 1.5 डिग्री सेल्सियस) है। दिल्ली के कई स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6 से 3.0 डिग्री सेल्सियस) है और कुछ स्थानों पर सामान्य के करीब (-1.5 से 1.5 डिग्री सेल्सियस) है। पिछले 24 घंटों में पालम और सफदरजंग में हल्का कोहरा छाया रहा। सफदरजंग हवाई अड्डे पर 17 दिसंबर 2025 को सुबह 7:30 बजे (भारतीय मानक समय) से 8:30 बजे (भारतीय मानक समय) तक सबसे कम दृश्यता 700 मीटर दर्ज की गई, जो बाद में सुबह 9:00 बजे (भारतीय मानक समय) तक बढ़कर 800 मीटर हो गई। पालम हवाई अड्डे पर 17 दिसंबर 2025 को भारतीय समयानुसार सुबह 8:00 बजे से 8:30 बजे तक सबसे कम दृश्यता 800 मीटर दर्ज की गई, जो बाद में 8:30 बजे से बढ़कर 10:00 मीटर हो गई। पिछले 24 घंटों के दौरान आसमान मुख्य रूप से साफ रहा और पश्चिमी दिशा से 20 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से सतही हवाएं चलीं। आज सुबह के समय क्षेत्र में पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम दिशा से 13 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चलीं और आसमान मुख्य रूप से साफ रहा।

### मौसम का पूर्वानुमान:

17.12.2025: आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। रात में धुंध छाई रहेगी। अधिकतम तापमान 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से 0.8 से 2.8 डिग्री सेल्सियस अधिक रहेगा। दोपहर के समय पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। शाम और रात के दौरान हवा की रफ्तार कम होकर उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी।

18.12.2025: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय कई स्थानों पर हल्की धुंध और कुछ स्थानों पर मध्यम धुंध छाई रहेगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 22 से 24 डिग्री सेल्सियस और 8 से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 डिग्री सेल्सियस तक अधिक रहेगा और अधिकतम तापमान भी सामान्य से 2 डिग्री सेल्सियस तक अधिक रहेगा। सुबह के समय सतह पर चलने वाली हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी और इसकी गति 10 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर में हवा की गति बढ़कर 15 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति घटकर पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

19.12.2025: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय हल्का से मध्यम कोहरा छा सकता है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 22 से 24 डिग्री सेल्सियस और 8 से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य से 2 डिग्री सेल्सियस तक अधिक रहेगा। सुबह के समय पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। दोपहर में भी पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। शाम और रात के समय पश्चिम दिशा से हवा की रफ्तार कम होकर 10 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

20.12.2025: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय हल्का से मध्यम कोहरा छा सकता है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 22 से 24 डिग्री सेल्सियस और 8 से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य से 2°C तक अधिक रहेगा। सुबह के समय पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। दोपहर में भी उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार बनी रहेगी। शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की रफ्तार घटकर 5 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

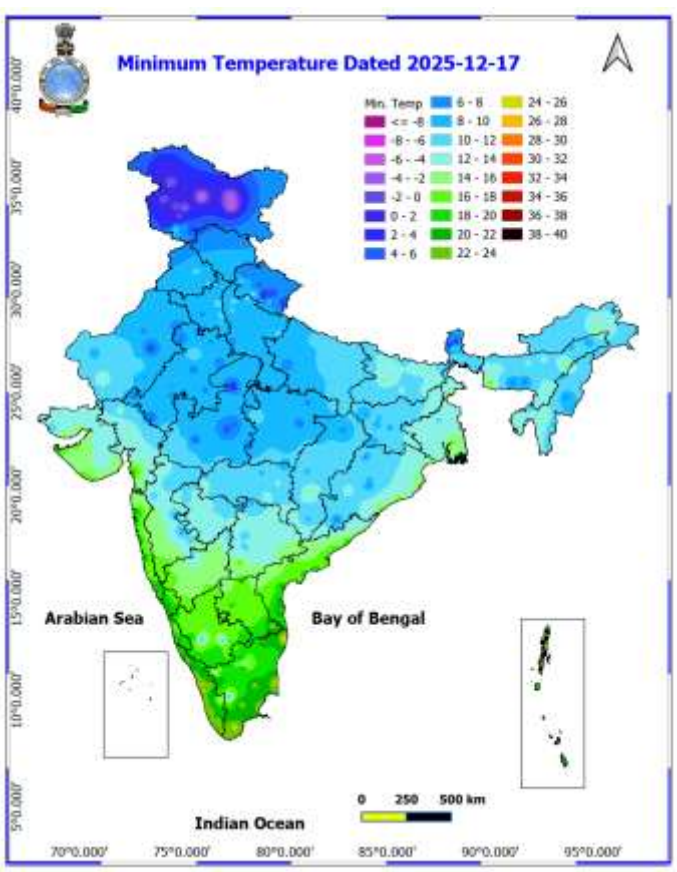


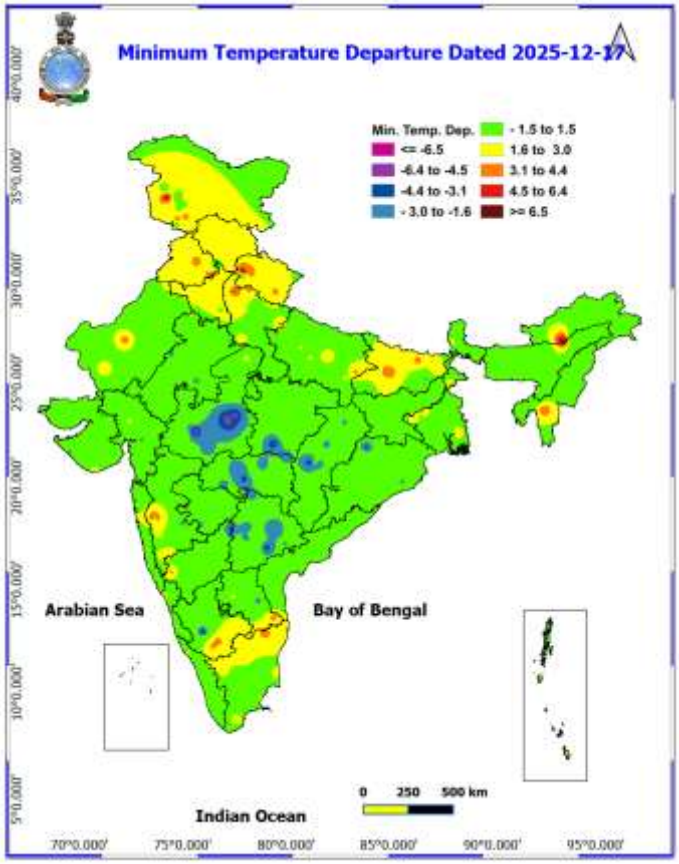


**सुबह के समय घने/बहुत घने कोहरे के कारण प्रभाव पड़ने की आशंका है: 18 और 19 दिसंबर को उत्तर प्रदेश के कई स्थानों पर, 20 दिसंबर को कुछ स्थानों पर और 21 दिसंबर को छिटपुट स्थानों पर, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 18 से 20 दिसंबर के दौरान, उत्तराखंड में 18 से 21 दिसंबर के दौरान, पूर्वोत्तर भारत में 18 से 22 दिसंबर के दौरान, हिमाचल प्रदेश, बिहार और झारखंड में 18 से 20 दिसंबर के दौरान और ओडिशा में 18 और 19 दिसंबर को तड़के/सुबह के समय प्रतिकूल मौसम रहने की संभावना है।**

- मेट-उप-मंडल के क्षेत्रों में कुछ हवाई अड्डों, राजमार्गों और रेलवे मार्गों पर प्रभाव पड़ सकता है।
- धीमी यात्रा के समय के साथ कठिन ड्राइविंग परिस्थितियाँ।
- यदि एहतियाती उपाय नहीं किए गए, तो इससे कुछ सड़क यातायात दुर्घटनाएँ हो सकती हैं।

❖ बिजली क्षेत्र:

- बहुत घने कोहरे वाले मार्गों में बिजली लाइनों के ट्रिप होने की संभावना।

❖ मानव स्वास्थ्य:

- फेफड़ों से संबंधित स्वास्थ्य प्रभाव: घने कोहरे में कणिका तत्व और अन्य प्रदूषक होते हैं और इनके संपर्क में आने पर ये फेफड़ों में जमा हो जाते हैं, उन्हें अवरुद्ध कर देते हैं और उनकी कार्यात्मक क्षमता को कम कर देते हैं जिससे घरघराहट, खांसी और सांस लेने में तकलीफ बढ़ जाती है।
- अस्थमा, ब्रोंकाइटिस से पीड़ित लोगों पर प्रभाव: लंबे समय तक घने कोहरे के संपर्क में रहने से अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों से संबंधित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित लोगों को सांस लेने में समस्या हो सकती है।
- आँखों में जलन: घने कोहरे में विभिन्न प्रकार के प्रदूषण होते हैं और हवा में मौजूद ये प्रदूषक आँखों की झिल्लियों में जलन पैदा कर सकते हैं जिससे विभिन्न संक्रमण हो सकते हैं जिससे आँखों में लालिमा या सूजन आ सकती है।

**सुझाई गई कार्रवाई:**

❖ परिवहन और विमानन:

- वाहन चलाते समय या किसी भी परिवहन से यात्रा करते समय सावधान रहें।
- वाहन चलाते समय फॉग लाइट का प्रयोग करें।

- अपनी यात्रा के कार्यक्रम के लिए एयरलाइन, रेलवे और राज्य परिवहन से संपर्क में रहें।

❖ विद्युत क्षेत्र:

- रखरखाव टीम को तैयार रखना।
- मानव स्वास्थ्य: आपातकालीन स्थिति को छोड़कर बाहर जाने से बचना और चेहरा ढकना चाहिए।

**शीत लहर की स्थिति के कारण** 18 **और** 19 **दिसंबर को पश्चिमी मध्य प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ छिटपुट स्थानों पर इसके बने रहने की संभावना है।**

**प्रभाव अपेक्षित**

- ❖ फ्लू, बहती/नाक बंद होना या नाक से खून आना जैसी विभिन्न बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है, जो आमतौर पर ठंड के लंबे समय तक संपर्क में रहने के कारण होती हैं या बढ़ जाती हैं।
- ❖ कंपकंपी को नजरअंदाज न करें। यह पहला संकेत है कि शरीर गर्मी खो रहा है। घर के अंदर आ जाएं।
- ❖ लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से शीतदंश हो सकता है। त्वचा पीली, सख्त और सुन्न हो जाती है और अंततः शरीर के खुले हिस्सों जैसे उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक और/या कानों पर काले छाले दिखाई देते हैं। गंभीर शीतदंश में तत्काल चिकित्सा ध्यान और उपचार की आवश्यकता होती है।
- ❖ कुछ स्थानों पर कृषि, फसल, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र पर प्रभाव।

**सुझाए गए उपाय:**

- ❖ ढीले-ढाले, हल्के वज़न के गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ अपने सिर, गर्दन, हाथों और पैरों की उंगलियों को अच्छी तरह से ढकें क्योंकि शरीर की अधिकांश ऊष्मा इन्हीं अंगों से निकलती है। भारी कपड़े की एक परत के बजाय ढीले-ढाले, हल्के वज़न के गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ पर्याप्त प्रतिरक्षा बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्ज़ियाँ खाएँ और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ, अधिमानतः गर्म तरल पदार्थ पिएँ।
- ❖ बाहरी गतिविधियों से बचें या उन्हें सीमित करें।
- ❖ शरीर को सूखा रखें, यदि गीला हो, तो शरीर की गर्मी को कम होने से बचाने के लिए तुरंत कपड़े बदलें। इंसुलेटेड/वाटरप्रूफ जूते पहनें।
- ❖ शरीर के प्रभावित हिस्से को गुनगुने पानी से धीरे-धीरे गर्म करें; त्वचा को ज़ोर से न रगड़ें।
- ❖ यदि प्रभावित त्वचा का हिस्सा काला पड़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें।
- ❖ जहरीले धुएं से बचने के लिए हीटर का उपयोग करते समय वेंटिलेशन बनाए रखें।
- ❖ बिजली और गैस से चलने वाले हीटिंग उपकरणों का उपयोग करते समय सुरक्षा उपाय करें।
- ❖ संवेदनशील लोगों के लिए अत्यधिक देखभाल की आवश्यकता है।
- ❖ शीतदंश/ हाइपोथर्मिया से पीड़ित व्यक्ति के लिए जल्द से जल्द चिकित्सा सहायता लें।
- ❖ पशुओं को ठंड के मौसम से बचाएँ।

## शीत लहर/ कम तापमान के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

➢ **पश्चिम मध्य प्रदेश, उत्तर आंतरिक कर्नाटक** और **तेलंगाना** में, खड़ी फसलों को निम्न तापमान के प्रतिकूल प्रभाव से बचाने के लिए शाम के समय हल्की और नियमित अंतराल पर सिंचाई करें। मृदा में पर्याप्त तापमान बनाए रखने के लिए मल्चिंग का प्रयोग करें और सब्जियों की नर्सरी और फलों के छोटे पौधों को पुआल या पॉलीथीन शीट से ढक दें।

**पशुपालन / मुर्गीपालन**

➢ रात के समय पशुओं को शेड के अंदर रखें और ठंड से बचाने के लिए उन्हें सूखा बिस्तर उपलब्ध कराएं।

➢ मुर्गी शेड में कृत्रिम प्रकाश की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कर चूजों को आवश्यक ऊष्मा प्रदान करें।

## तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

➢ **बागवानी** फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

**किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:**

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा: >**204.4 मिमी।

**मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:**

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

# LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

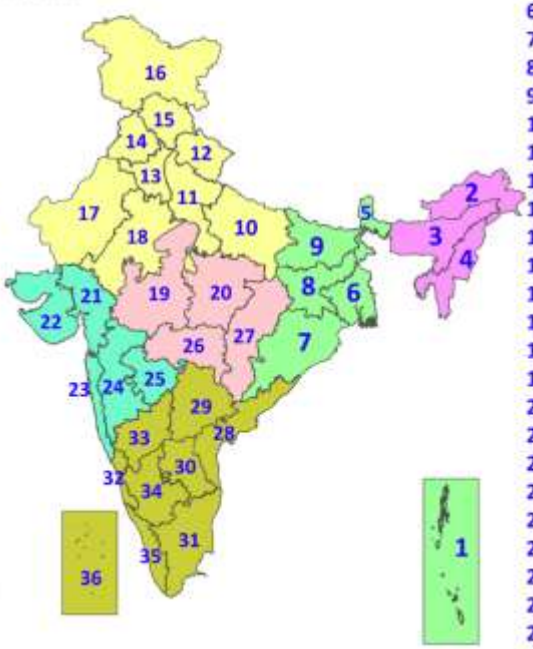


1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

## SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

| % Stations | Category | % Stations | Category |
|---|---|---|---|
| 76-100 | Widespread (WS/Most Places) | 26-50 | Scattered (SCT/A Few Places) |
| 51-75 | Fairly Widespread (FWS/Many Places) | 1-25 | Isolated (ISOL) |

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

**COLOUR CODED WARNING**

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

## Probabilistic Forecast

| Terms | Probability of Occurrence (%) |
|---|---|
| Unlikely | < 25 |
| Likely | 25 - 50 |
| Very Likely | 50 - 75 |
| Most Likely | > 75 |

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)